Annual Examination — 2018-2019

Class — VIII

Subject - HINDI LANGUAGE (PAPER-I)

Time : 2 hrs. **Full Marks : 80**

स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

Section-A

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ३०० शब्दों में एक संक्षिप्त लेख लिखिए : 15

क) परोपकार या दूसरों की भलाई करने से सभी का भला होता है। इससे हमें खुशी मिलती है। इस विषय पर एक प्रस्ताव लिखिए।

ख) आज का युग कंप्यूटर का युग है। अतः आधुनिक युग में विविध क्षेत्रों में कंप्यूटर की उपयोगिता को ध्यान में रख कर एक प्रस्ताव लिखिए।

ग) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन के साथ-साथ व्यायाम करना भी आवश्यक है। व्यायाम से तन और मन दोनों स्वस्थ होते है। हमारी कार्यक्षमता का भी इससे विकास होता है। इन बातों के आधार पर व्यायाम के महत्व पर एक प्रस्ताव लिखिए।

घ) "तेते पाँव पसारिए जेती लांबी सौर" लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

ङ) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर एक लेख अथवा मौलिक कहानी लिखिए जिसका सीधा सम्बंध चित्र से होना चाहिए।

Scanned by CamScanner

2. क) छात्रावास से माताजी को ई–मेल लिखकर पैसे मंगवाइए। 5

अथवा

ख) शैक्षिक भ्रमण के उद्देश्य से आप सहपाठियों सहित विद्यालय की ओर से यात्रा पर गए थे। इस घटना को दैनंदिनी लेखन के अंतर्गत लिखिए।

3. क) बाढ़–पीड़ितों की सेवा हेतु आपके विद्यालय एवं सहपाठियों ने क्या क्या कार्य किए इसकी जानकारी देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 10

अथवा

ख) विदेश जाने की अनुमति मांगते हुए प्रधानाचार्य ज़ी को पत्र लिखिए।

4. **नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।** 20

प्राचीनकाल में विद्यार्थी गुरु के आश्रम में जाकर ही विद्या प्राप्त करते थे। वहाँ उन्हें विद्या के साथ–साथ अच्छी बातें भी सीखने को मिलती थीं, जो आगे चलकर उनके जीवन में बहुत ही काम आती थीं। ऋषि धौम्य भी अपने आश्रम में अपने विद्यार्थियों को विद्या पढ़ाने के साथ–साथ उपयोगी बातें भी सिखाते थे। ऋषि धौम्य का विचार था कि बालक पुस्तक के अक्षरों को तो पढ़ ले, किन्तु उसे जीवन के लिए अच्छे गुणों को सीखने और जानने का अवसर यदि न मिल सके तो वह जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता।

एक दिन मूसलाधार बरसात हो रही थी। एक बालक ने आकर बताया कि खेत की एक मेंड़ टूट गई है और खेत का पानी बहकर बाहर जा रहा है। यह सुनकर ऋषि धौम्य ने अपने एक शिष्य आरुणि को बुलाकर कहा, "आरुणि, तनिक खेत पर जाओ और देखो कि खेत से बहते पानी को किस प्रकार रोका जा सकता है। यदि पानी बह गया तो खेत को बराबर पानी नहीं मिल सकेगा। तुरन्त जाओ और पानी को रोकने का प्रबन्ध करो।"

Scanned by CamScanner

आरुणि ने गुरु जी की आज्ञा पाकर सिर नवाते हुए कहा, "बहुत अच्छा गुरुदेव, मैं अभी जाता हूँ और पानी को रोकने का उपाय करता हूँ।"

इतना कहकर आरुणि वहाँ से चला गया। जब वह खेत पर पहुँचा तो उसने देखा कि खेत में से पानी बड़ी तेजी से बाहर निकल रहा है। आरुणि ने मिट्टी लगाकर बहते पानी को रोकने की कोशिश की किन्तु पानी का बहाव इतना तीव्र था कि वह मिट्टी को बार-बार बहाकर ले जाता था। आरुणि ने पत्थर लगाकर पानी को रोकने की कोशिश की किन्तु इसका भी कोई परिणाम नहीं निकला और पानी ऊपर से होकर बहने लगा। अब तो आरुणि को बहुत ही चिन्ता हुई। गुरुदेव ने उसे खेत के बहते हुए पानी को रोकने के लिए भेजा है यदि वह खेत के बहते हुए पानी को रोकने जैसा छोटा काम भी न कर सका तो गुरुदेव को कितना दुःख होगा और वे उसके विषय में क्या सोचेंगे? आरुणि बहुत देर तक इसी संबंध में सोचता रहा। अंत में वह खुद ही मेंड़ के बीच में जाकर बैठ गया। बहुत रात बीतने पर बरसात बन्द हो गई। पानी का बहाव भी बन्द हो गया था। आरुणि को देर तक वापस आया न देखकर गुरु धौम्य को चिन्ता हुई। वे अपने कुछ शिष्यों सहित उसे ढूँढ़ते हुए खेतों की तरफ आये तो देखा कि आरुणि मेंड़ के उस हिस्से में धँसा पड़ा है जहाँ पानी का बहाव था। उन्होंने आरुणि का हाथ पकड़कर उठाया और पूछा, "यह क्या कर रहे थे आरुणि?"

आरुणि ने कहा, "गुरुदेव, आपने आज्ञा दी थी कि खेत से बहते हुए पानी को रोकूँ। मैंने यहाँ आकर अनेक उपाय किये कि किसी प्रकार पानी का बहना रोक सकूँ किन्तु मेरा कोई भी उपाय काम में नहीं आया। इसलिए आपकी आज्ञा का पालन करने के लिए मैंने अपने आपको ही धँसा दिया। "ऋषि धौम्य ने आरुणि को छाती से लगाकर कहा, "गुरु की बात को इतना बड़ा मूल्य देकर तूने विद्यार्थी होने के सत्य को उजागर कर दिया है। तुम्हारे प्राणों पर बन आई थी, पर तुम अपने कर्त्तव्य से टस से मस न हुए। मेरा आशीर्वाद है कि तू जीवन में सदा सुखी रहे।"

Scanned by CamScanner

क) (i) प्राचीन शिक्षा पद्धति की क्या विशेषता थी? उसके क्या लाभ थे? 4

(ii) आचार्य धौम्य ने आरुणि को कहाँ भेजा और क्यों? 4

(iii) आरूणि ने पानी रोकने के लिए क्या-क्या किया? 4

(iv) आचार्य धौम्य ने आरूणि को क्या आशीर्वाद दिया? 4

(v) इस कथा से आपको क्या शिक्षा मिलती है? 4

ख) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए : 4

कृपा, महत्त्व, विपदा, शिक्षा

ग) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए : 4

(i) लड़के से तैरा जाता है। (कर्तृवाच्य में बदले)

(ii) किसान खेत में बीज बो चुका है। (कर्मवाच्य में बदले)

(iii) प्राचीनकाल में विद्यार्थी गुरू के आश्रम में जाकर विद्या प्राप्त करते थे। (विद्या प्राप्त करने के लिए का प्रयोग करे।)

(iv) एक दिन मूसलाधार बरसात हो रही थी। (वाक्य भविष्यतकाल में बदलिए)

5. क) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक रूप लिखिए : 5

परमार्थ, प्राचीन, बाढ़, मानवीय, साहसी।

ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची रूप लिखिए : 5

मदद, प्रभात, बाधा, भूमि, विजय।

ग) निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक रूप लिखिए : 4

दृढ़, पुरस्कृत, योग्य, सहायक।

घ) निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए : 4

(i) अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला -

(ii) पीछे-पीछे गमन करने वाला -

Scanned by CamScanner

(iii) जो पुरूष लोहे की तरह बलिष्ठ है –

(iv) कष्ट से सिद्ध होने वाला –

ङ) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए : 4

(i) आँच न आने देना –

(ii) काँटा निकालना –

(iii) जान में जान आना –

(iv) माई का लाल –

Scanned by CamScanner